

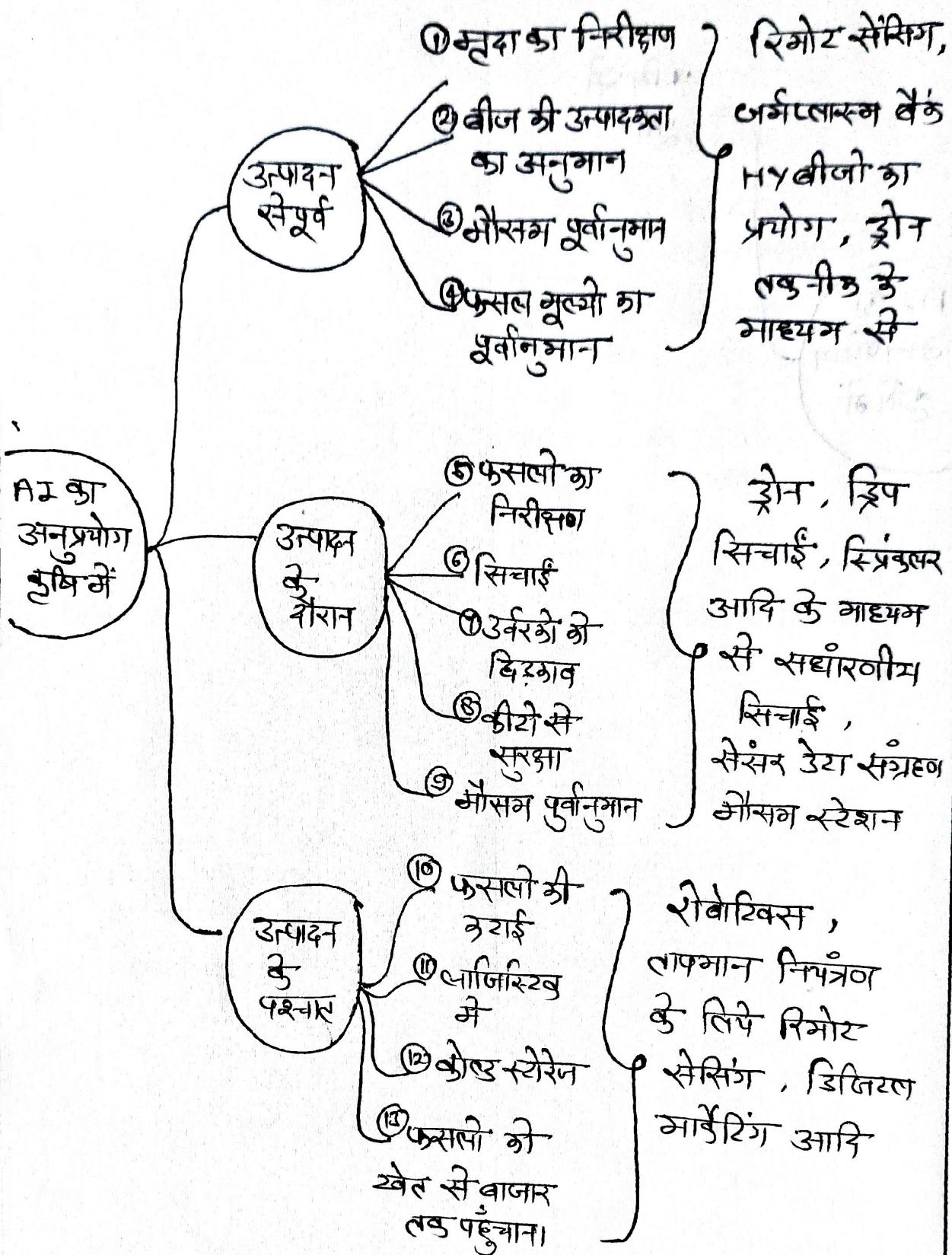
① कृत्रिम जुहिदमता (AI) और सारीक जुहि के भारत में  
जुहि अन्यादकृता बढ़ाने के समाधान के रूप में  
प्रस्तुतवित किया गया है भारतीय जुहि परिवृश्च  
में उनकी प्रबलार्थता और सुनोलियों का समालेननाम  
के विश्लेषण दीजिए। (38 marks)

भारत सरकार द्वारा 2024-25 के बजट में  
14,500 एकमंस्तुक समूह की 'नमी ड्रोन' प्रोजेक्ट  
के तहत ड्रोन प्रदान करने की धीरणा की गयी  
जिसका उद्देश्य AI की जुहि में शामिल कर  
जुहि की आधुनिक बनाने तथा अर्थव्यवस्था के  
प्रारम्भिक इंजन को लीब्रला प्रदान करना है।

भारत में जुहि में लगभग 65% जनसंख्या  
संस्करण है इसी के साथ भारत की GDP में  
लगभग 18.2% का औगदान देता है।

भारतीय जुहि में सुधार हेतु सरकार ने  
बजट 2025-26 में ॥ सुनी जुहि सुधार की  
धीरणा की है जिसका उद्देश्य जुहि की  
अन्यादकृता बढ़ाने, आधुनिकी-करण करने तथा  
नियंत्रित-मुख जुहि बनानी है।

**कृत्रिम जुहिदमता और सारीक जुहि : जुहि अन्यादकृता  
में सुधार के से कर सकती है ?**



भारतीय कृषि के सम्बन्धीय व्यवहार्यता

पक्ष में लड़

① भारतीय कृषि में सब की जनसंख्या (65%) की

## सम्लिंगन होना

- ② भारत कुषि का परंपरागत कुषि से आधुनिक कुषि, तरफ शिफ्ट होना
- (उदाहरण) कृषि रहित फसलों की तकनीकी विकसित ऐरोपोनिक्स टाइड्रोपोनिक्स जैसे जलवायु परिवर्तन के बहते कुषि उत्पादन की सहायता।
- ③ सरकारी सहायता जैसे DBT, MSP आदि के आधार फसल के प्रोत्साहन
- ④ फसल सुरक्षा + खाद्य सुरक्षा + पोषण सुरक्षा त्रिकोण सुरक्षा हेतु AI का अनुप्रयोग
- ⑤ कुषि की ओर की व्यापक प्रवृद्धि वेरोजगारी की दूर करने
- ⑥ भारत में निर्वाह कुषि से व्यवसायिक कुषि की तरफ कुषिकी का अनुग्रह
- ⑦ उत्पादन पश्चात होने वाले फलों के सहिती के अनुसार की कम करने
- (उदाहरण) FAO की रिपोर्ट के अनुसार सरकार 70 लाख बुरोड़ नुकसान

विपक्षी के तर्फ

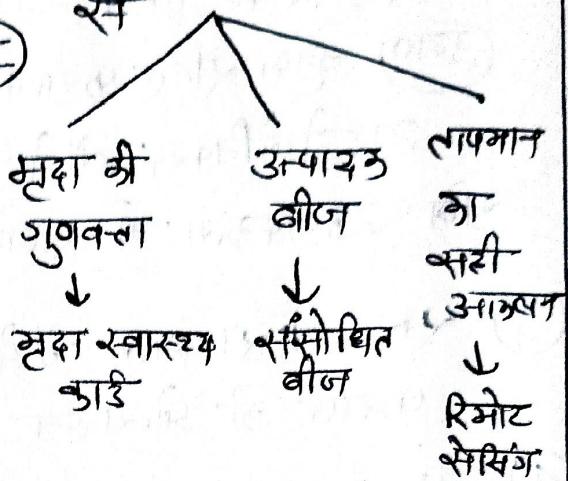
- ① कुषिकी की जड़ा तक सीमित पहुँच
- ② डिजिटल जैप
- ③ मानव्यून वेर्ने में तीव्र विवाद

## चुनौतिया

- सीमांत चिक्कानी की अधिकता
- नीरि आपोग की रिपोर्ट के अनुसार 85% सीमांत छिसान
- 2 हेक्टेएर से कम की खुमि

## समाधान

सटीकुण्ड के माध्यम



- बृद्ध की कुम उत्पादक

डानला

WEF के 2022 की रिपोर्ट के अनुसार  $\Rightarrow$  लकड़ी का प्रयोग  
कुण्ड उत्पादकला के  $\Rightarrow$  30-40 % की वृद्धि

प्रधानमंत्री धन धा-प  
 योजना के माध्यम से  
 100 कम उत्पादक जिलों की  
 पहचान के AJ, सूक्ष्म  
 सिवाई लकड़ी तथा वित्तीय  
 समावेशन के द्वारा उत्पादक  
 बनाना

- कुण्डों की व्यापत

डिजिटल निरदारता व नई  
लकड़ी के प्रति उदासीनता

आमेण जीतो के  
 डिजिटल प्रशिक्षण के  
 की व्यापत

- संस्थागत नेटो लकड़ुएँ को  
की सीमित पहुँच  
एक रिपोर्ट के अनुसार संस्थागत  
वेंडों लकड़ी सीमित पहुँच के बराबर  
महायस्थी से 18% की दर से  
नेटो लेने की अपेक्षा

DBT के माध्यम  
 कुण्डों की पाठ्य वा  
 प्राप्ति हस्तान्तरण,  
 जिसान ट्रेडिंग एडी, आदि  
 के माध्यम साहज हस्तान्तरण।

(5) धू-जल का नियन्त्रण  
उदाहरणीय उत्तरप्रदेश  
व दिल्ली और छोटी जे

ट्रिप इंडियन, स्ट्रिंग्स  
प्रैस संघारणीय  
सिनाइ संसाधनों का  
प्रयोग

इस प्रकार भारतीय नुबियनी AI व सर्वीड  
युनि 'भारतीय अर्थव्यवस्था के शीट' की अपेक्षा  
प्रति के साथ वैरिवतु नुबियना के सर्वीच्चल  
टासिल कर सकता है और भारतीय जम जवान,  
जम किसान, जम विकान, जम अनुसंधान के  
भाव्यम से संघारणीय विभास के लक्ष्य को  
प्राप्त कर सकता है।

(2)

जल की कुमी भारतीय झुजि की प्रमुख चुनौतियों में से एक है। इस सर्वेस्या के समाधान में शुद्धन सिंचाई लकड़ी की झुगिका का गुरुत्पांकन कीजिए और उनकी प्राप्त रवीति के सिप्पे आवश्यक नीरिगत उपायों पर चर्चा कीजिए। (38 marks)

भारतीय आर्थिकवर्क्षा में झुजि शोजगार व खाद्य संरक्षा को सुनिश्चित करने में प्रमुख झुगिका निमाल है। इसमें से सिंचाई जो झुजि का प्रमुख छटक है में जल की कुमी जलवायन परिवर्तन व वैश्विक उष्मन के कारण उत्पन्न होने वाली प्रमुख समस्या के रूप में सामने आता है।

फाल्जन मार्क जल बुन्चांक के अनुसार भारत में २६% लोग जल की कुमी का सामना कर रहे हैं।

**'जल की कुमी' भारतीय झुजि की प्रमुख चुनौती के रूप में**

①

**मृदा का एवणीकरण**

→ मृदा के नभीं की उमी व उच्च तापमान झुजि उत्पादकता में उमी लाता है।

उदाह.

राजस्थान व गुजरात के उद्धुग्गों के मृदा एवणीकरण की समस्याएँ झुजि उत्पादकता

की प्रभावित करती है।

(2)

### चु-जल का गिरला स्टर

मानसून की अनियन्त्रितता वाला जल का अधिक दोषन चु-जल स्टर के जिरावट का प्रमुख कारण है।

उदाहरणीय उपरोक्त दोस्री के चु-जल स्टर में जिरावट तुषि के समक्ष प्रमुख चुनौती

(3)

### वर्षा जल संचयन प्रणाली की उमी

वर्ल्ड बैंड की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 50% से अधिक जल (वर्षा) संचयन प्रणाली में उमी के कारण वर्षा बहा जाता है जिसे तुषि में उपरोक्त उपरोक्त बढ़ाई जा सकती है।

(4)

### 'वाटर पार्टी' वाले क्षेत्री में सतत प्रबंधन की उमी

सुदूर सिन्धु और सी एवं लकड़ी की के प्रति जागरूकता का उन्नाव 'वाटर पार्टी' वाले क्षेत्री दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और ओरेश्वरी में तुषि की उत्पादकता की सीमित कर देता है।

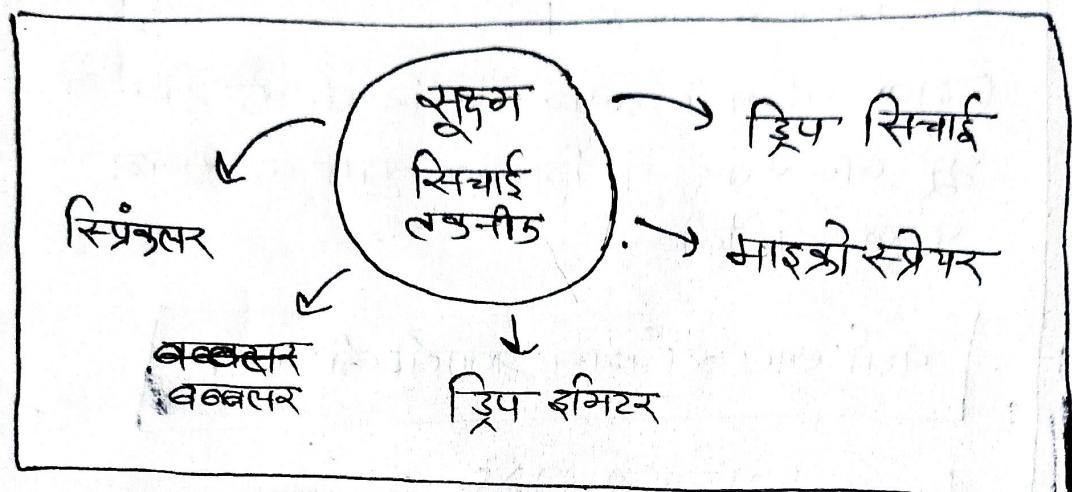
(5)

### जल पद्धतिकरण की वड़ती लाज्बांग

वड़ती जनसंख्या व जल की मांग के

मीं बढ़ोत्तरी सिवाई के समक्ष प्रगति समर्पण।

भारतीय कृषि में सुधम सिवाई तकनीक की वृद्धिभविता



वृद्धिभविता

① मृदा संरक्षण

मृदा प्रतीकरण, लकड़ीकरण तथा सामर्थ्या  
अति-सिवाई या व्युन सिवाई के ग्रान उपन्ति होती है।

उक्त उक्त स्प्रिंगर व डिप सिवाई कृषि में मृदा की आपश्वप्तुल के अनुसार सिवाई होती है।

② सटीक सिवाई

वृक्षसर तकनीक जिनमें होटे-होटे रूपांक के आवृप्ति से जल की प्रत्यक्ष रूप के

पौधों की जड़ों में पहुँचाया जाता है।

③ जल संरक्षण

↪ WB के अनुसार मारत 50% सिवाई आजमलाएँ  
में कारण जल वर्षा को जाहे हैं आज के लिए आजके  
इरिगेशन तकनीक जल संरक्षण में भवत्वपूर्ण विधि  
निमा सबसे है।

④ पर द्राप मोर काप (Per Drop, More Crop)

↪ संसाधनों की बचत, जागत में कमी  
तथा अधिक उत्पादकता तिसानों की आम दुरुत्ति  
केरने में सहायता

भूकम्प सिवाई तकनीकों की स्वीकृति के सिपे आवश्यक  
नीतिगत उपाय

→ ① सरकार द्वारा प्रौद्योगिक सहायता व समिक्षकी  
प्रदान करता

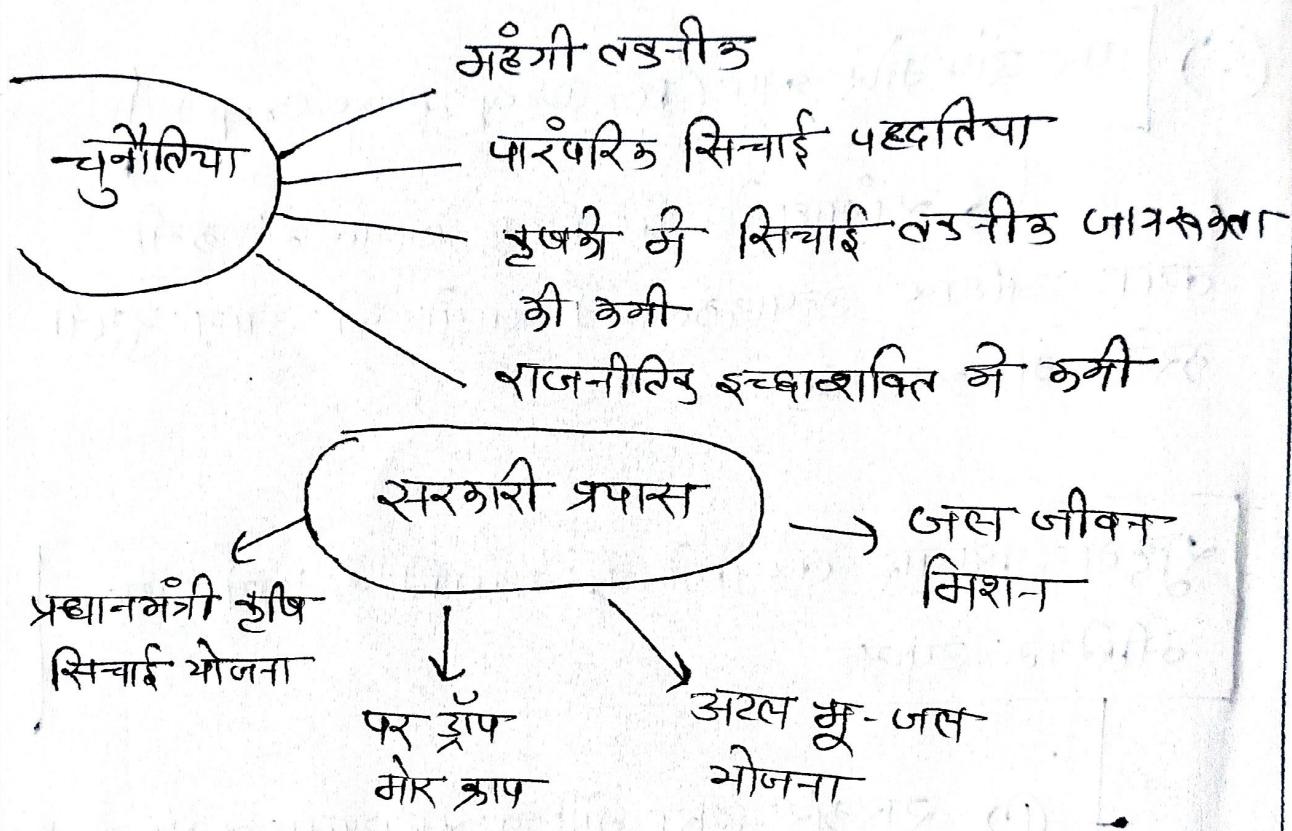
(उदाह.) प्रधानमंत्री उसम योजना, मुफ्त विज्ञप्ति  
आदि सिवाई जागत में कमी सहेजे।

→ ② भूकम्प सिवाई तकनीक उपकरण एवं  
तिसानों की उपलब्ध उराना।

↪ नहीं प्रयासी के कारण प्राप्त: तुष्टि

प्रयोग वही किया जाता।

- ③ सूक्ष्म सिनाई लड़नीको की जानकारी दीवार,  
मुख्यों आदि के गाहगर से मुख्यों तक पहुंचाना  
मुख्यों की प्रशिक्षण प्रक्रिया ३२-१  
④ मुख्यों की प्रशिक्षण प्रक्रिया ३२-१  
⑤ सिनाई द्वेष के अनुसंधान व नवाचार की  
बढ़ावा



इस प्रवार नई सिनाई पहुंचतिया 'वाटर पार्की' को कम करने, जल उपयोग धड़ता बढ़ाने, जलवाया परिवर्तन मुनोहिपो से निपटने व मुख्य उत्सादनता की बढ़ावा बाधा सुरक्षा, पोषण सुरक्षा के सुनिश्चित कुषिको की अमृत आम दोगुना कर भारत की प्रद्रितियन अर्थव्यवस्था ज्ञानी में बढ़वार साकेत हो।